भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्याः 518
उत्तर देने की तारीख: गुरुवार, 23 जुलाई, 2026
1 श्रावण,1948 (शक)

आध्यात्मिक गलियारों का विकास किया जाना

518.**श्री संजय सेठः**

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) काशी, अयोध्या और मथुरा में आध्यात्मिक गलियारों के अवसंरचनात्मक एवं सौंदर्याकरण संबंधी विकास में अब तक हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या आधुनिक सुविधाओं के सफलतापूर्वक समावेशन से विरासत वास्तुकला का संरक्षण सुनिश्चित करते हुए तीर्थयात्रियों के अनुभव में उल्लेखनीय सुधार हुआ है;

(ग) विगत चार महीनों के दौरान इन वृहद् सांस्कृतिक परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता का निर्बाध रूप से उपयोग किए जाने का ब्यौरा क्या है;

(घ) सांस्कृतिक पर्यटन में वृद्धि के परिणामस्वरूप स्थानीय शिल्पकारों, पर्यटन मार्गदर्शकों और आतिथ्य क्षेत्र पर पड़े सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक प्रभावों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) अधिक संख्या में आगंतुकों वाले इन धरोहर स्थलों के आसपास स्वच्छता और पारिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): काशी, अयोध्या और मथुरा में आध्यात्मिक गलियारों का अवसंरचनात्मकढांचा और उनकेसौंदर्यीकरणविकास कोभारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत पर्यटन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के माध्यम से किया गया है, जिसमें तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिकविरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद), स्वदेश दर्शन, स्वदेश दर्शन-2.0, चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी), केंद्रीय एजेंसियों को सहायता (एसीए) और पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) शामिल हैं। इन परियोजनाओं को निर्धारित योजना की दिशानिर्देशों और निधियों की उपलब्धता के अधीन संबंधित राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर मंजूरी दी जाती है। इन आध्यात्मिक गलियारों के विकास में हुई प्रगति का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

इन परियोजनाओं को इनके महत्वपूर्ण आध्यात्मिक स्थलों के सांस्कृतिक, वास्तुकला और विरासत की महत्ताको संरक्षित करते हुए आधुनिक पयर्टक सुविधाओं को एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे समग्र तीर्थयात्रा के अनुभव को बढ़ाया जा सके।

इन योजनाओं के अंतर्गतविकसित पर्यटन अवसंरचना से सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने, पर्यटकों की संख्या बढ़ाने और स्थानीय कारीगरों, पर्यटक गाइडों और आतिथ्य एवं संबद्ध क्षेत्रों में हितधारकों के लिए रोजगारके अतिरिक्त अवसर उत्पन करके सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक परिणाम उत्पन्न होने की भी आशा है।

इसके अलावा, पर्यटकोंकीअधिकसंख्यावाले धरोहर स्थलों के आसपास स्वच्छताऔर पारिस्थितिकीय संतुलन को बढ़ावा देने के लिएमंत्रालय, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को स्वीकृत परियोजनाओं में शामिलटिकाऊ घटकों अर्थात्ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, सीवेज उपचार सुविधाएं, सार्वजनिक स्वच्छता बुनियादी ढांचा, भूनिर्माण और वृक्षारोपण, वर्षा जल संचयन, ऊर्जा-कुशल और सौर प्रकाश प्रणाली, पर्यावरण के अनुकूल गतिशीलता समाधान और पर्यावरण के लिए उत्तरदायी अन्य उपायोंको शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

अनुबंध

राज्य सभा में दिनांक 23.07.2026 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 518 के भाग (क) से (ङ): के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

काशी, अयोध्या और मथुरा में आध्यात्मिक कॉरिडोर की अवसंरचना और सौंदर्यीकरण में हुई प्रगति का विवरण

क्रम सं.	**आध्यात्मिक कॉरिडोर का नाम**	**किए गए कार्य का ब्यौरा**
1.	**काशी (वाराणसी)**	• वाराणसी (चरण । और ।।) का विकास। • गंगा पर नदी क्रूज़ पर्यटन का विकास। • दशाश्वमेध घाट से लेकर दरभंगा घाट, तुलसी मानस मंदिर, सारनाथ संग्रहालय, धमेख स्तूप, चौखंडी स्तूप, लाल खान का मकबरा और मान महल सहित स्मारकों और विरासत स्थलों का प्रदीप्तीकरण।
2.	**अयोध्या**	• रामायण सर्किट का विकास।
3.	**मथुरा-वृंदावन**	• पर्यटन सुविधा केंद्र का विकास। • मथुरा-वृंदावन का मेगा पर्यटन सर्किट के रूप में विकास। • गोवर्धन में अवरंचना सुविधाओं का विकास।

*****